Functional Bus Description Language

Revision 0.0

2 April 2023

Abstract

This document is the official specification of the Functional Bus Description Language. Its main purpose is to define the syntax and semantics of the language. Functional Bus Description Language is a domain-specific language for bus and registers management. Its main characteristic is the shift of paradigm from the register-centric approach to the functionality-centric approach. In the register-centric approach user defines registers and then manually lays out the data into the registers. In the functionality-centric approach user defines the functionality of the data and the registers and bus hierarchy are later automatically inferred. By defining the functionality of the data placed in the registers it is possible to generate more code, increase code robustness, improve system design readability, and shorten the implementation process.

keywords: bus interface, code maintenance, computer languages, control interface, design automation, design verification, documentation generation, electronic design automation, EDA, electronic systems, Functional Bus Description Language, FBDL, hardware design, hardware description language, HDL, hierarchical register description, memory, programming, register addressing, register synthesis, software generation, system management

Table of Contents

| 1. | Overview | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 3 |
|----|----------------------------|-----|-----|------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|
| | 1.1. Scope | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 3 |
| | 1.2. Purpose | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 3 |
| | 1.3. Motivation | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 3 |
| | 1.4. Word usage | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 3 |
| | 1.5. Syntactic description | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 3 |
| 2. | References | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 5 |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3. | Concepts | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 6 |
| | 3.1. Properties | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 6 |
| | 3.2. Instantiation | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 6 |
| | 3.3. Addressing | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 7 |
| | 3.4. Positive logic | | | • | | ٠ | • | ٠ | ٠ | ٠ | | | | | | • | | | | • | | • | | | • | 7 |
| 4. | Lexical elements | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 8 |
| | 4.1. Comments | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 8 |
| | 4.1.1. Documentation | con | nme | ents | S | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 8 |
| | 4.2. Identifiers | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 8 |
| | 4.2.1. Declared identifi | ier | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 9 |
| | 4.2.2. Qualified identif | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 9 |
| | 4.3. Indent | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 9 |
| | 4.4. Keywords | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 9 |
| | 4.5. Literals | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 10 |
| | 4.5.1. Bool literals . | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 10 |
| | 4.5.2. Number literals | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 10 |
| | 4.5.3. Integer literals | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 10 |
| | 4.5.4. Real literals . | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 10 |
| | 4.5.5. String literals. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 11 |
| | 4.5.6. Bit string literals | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 11 |
| | 4.5.7. Time literals . | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 11 |
| 5. | Data types | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 12 |
| | • • | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | • | • | • | · | • | |
| | 5.1. Bit string | ٠ | • | ٠ | ٠ | ٠ | • | ٠ | ٠ | ٠ | • | ٠ | ٠ | • | ٠ | • | • | • | ٠ | ٠ | • | ٠ | • | • | ٠ | 12 |
| | 5.2. Bool | ٠ | • | • | • | ٠ | • | • | • | ٠ | • | ٠ | ٠ | • | • | • | • | • | ٠ | • | • | • | • | • | • | 12 |
| | 5.3. Integer | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | • | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | • | • | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | • | ٠ | 13 |
| | 5.4. Real | • | • | • | • | • | ٠ | • | ٠ | | • | | | | • | • | • | • | | ٠ | • | • | • | • | • | 13 |
| | 5.5. String | | | • | | | • | | | | | | | | | | | | | | | • | | | • | 13 |
| | 5.6. Time | | • | • | | • | • | ٠ | | | | | | | • | • | | | | • | | • | | | • | 13 |
| 6. | Expressions | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 14 |
| | 6.1. Operators | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 14 |
| | 6.2. Functions | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 15 |
| 7 | Functionalities | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 16 |

| 7.1. Block | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 16 |
|----------------------------|-------------|--------|------|-----|------|-----|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|
| 7.2. Bus . | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 17 |
| 7.3. Config | · | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 17 |
| 7.4. Irq . | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 18 |
| 7.5. Mask | | • | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 19 |
| 7.6. Memo | • | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 20 |
| 7.7. Param | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 20 |
| 7.8. Proc . | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 21 |
| 7.9. Return | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 21 |
| 7.10. Static | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 22 |
| 7.11. Status | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 22 |
| 7.12. Stream | m | ٠ | • | • | • | • | ٠ | • | • | ٠ | • | • | • | • | • | ٠ | • | • | • | • | • | • | • | • | • | • | 23 |
| 8. Parametriz | ation | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 24 |
| 8.1. Consta | nnf | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 24 |
| 8.2. Type d | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 24 |
| 8.3. Type e | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 24 |
| J. J. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 9. Scope and | visibility | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 26 |
| 9.1. Import | and pack | age s | syst | em | l | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 26 |
| 9.1.1. Pa | ckage disc | cove | ry | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 26 |
| 9.2. Scope | rules | ٠ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 27 |
| 10. Grouping | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 29 |
| 10.1. Singl | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 29 |
| 10.1. Singi 10.2. Multi | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 29 |
| 10.2. With | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 30 |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 10.3.1. S | Single regi | ster a | arra | y g | grou | ups | | | | • | • | • | • | | • | ٠ | | • | • | • | • | • | • | • | | | 30 |
| 10.4. Mixe | d groups | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 31 |
| 10.5. Virtu | 0 1 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 31 |
| 10.6. Regis | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 31 |
| 10.7 Inc. ~ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 22 |

Participants

 $Michal\ Kruszewski,\ Chair,\ Technical\ Editor,\ mkru@protonmail.com$

1. Overview

1.1. Scope

This document specifies the syntax and semantics of the Functional Bus Description Language (FBDL).

1.2. Purpose

This document is intended for the implementers of tools supporting the language and for users of the language. The focus is on defining the valid language constructs, their meanings and implications for the hardware and software that is specified or configured, how compliant tools are required to behave, and how to use the language.

1.3. Motivation

Describing and managing registers can be a tedious and error-prone task. The information about registers is utilized by software, hardware and verification engineers. Typically a specification of the registers is designed by the hardware designer or system architect. During the design and implementation phases it changes multiple times due to different reasons such as bugs, requirement changes, technical limitations, etc. A simple change in a single register may imply adjustments in both hardware and software. These adjustments cost money and time.

Several formal and informal tools exist to address issues related with registers management. However, they all share the same concept of describing registers at very low level. That is, the user has to implicitly define the registers layout. For example, in case of register containing multiple statuses, its user responsibility to specify the bit position for every status.

The FBDL is different in this terms. The user specifies the functionalities that must be provided by the data stored in the registers. The register layout is automatically generated based on the functional requirements. Such an approach allows to generate much more hardware description and software code than classical approach. Not only the register masks, addresses, and single read, write functions can be generated, but complete custom functions with optimized access methods. This in turn leads to shorter design iterations and fewer bugs.

1.4. Word usage

The terms "must", "must not", "required", "shall", "shall not", "should", "should not", "recommended", "may", and "optional" in this document are to be interpreted as described in the IETF Best Practices Document 14, RFC 2119.1.

1.5. Syntactic description

The formal syntax of the FBDL is described by means of context-free syntax using a simple variant of the Backus-Naur Form (BNF). In particular:

a) Lowercase words in constant-width font, some containing embedded underscores, are used to denote syntactic categories, for example:

```
single_import_statement
```

Whenever the name of a syntactic category is used, apart from the syntax rules themselves, underscores are replaced with spaces thus, "single import statement" would appear in the narrative description when referring to the syntactic category.

b) Boldface words are used to denote keywords, for example:

mask

Keywords shall be used only in those places indicated by the syntax.

- c) A production consists of a left-hand side, the symbol "::=" (which is read as can be replaced by), and a right-hand side. The left-hand side of a production is always a syntactic category, the right-hand side is a replacement rule. The meaning of a production is a textual-replacement rule. Any occurrence of the left-hand side may be replaced by an instance of the right-hand side.
- d) A vertical bar (|) separates alternative items on the right-hand side of a production unless it occurs immediately after an opening brace, in which case it stands for itself, for example:

```
decimal_digit ::= zero_digit | non_zero_decimal_digit
choices ::= choice { | choice }
```

In the first instance, an occurrence of decimal digit can be replaced by either zero digit or non zero decimal digit. In the second case, "choices" can be replaced by a list of "choice", separated by vertical bars, see item f) for the meaning of braces.

e) Square brackets [] enclose optional items on the right-hand side of a production. For example, the following two productions are equivalent:

```
parameters_list ::= ( [ parameters ] )
parameters_list ::= () | ( parameters )
```

Note, however, sometimes square brackets in the right-hand side of the production are part of the syntax. In such cases bold font is used.

- f) Braces { } enclose a repeated item or items on the right-hand side of a production. The items may appear zero or more times.
- g) The term *declared identifier* is used for any occurrence of an identifier that already denotes some declared item.

2. References

The following referenced documents are indispensable for the application of this document (i.e., they must be understood and used, so each referenced document is cited in text and its relationship to this document is explained). For dated references, only the edition cited applies. For undated references, the latest edition of the referenced document (including any amendments or corrigenda) applies.

- IETF Best Practices Document 14, RFC 2119,
- IETF UTF-8, a transformation format of ISO 10646, RFC 3629,
- IEEE Std 754™-2019, IEEE Standard for Floating-Point Arithmetic.

3. Concepts

The core concept behind the FBDL is based on the fact, that if there is a system part with the registers that can be accessed, then there is at least one more system part accessing these registers. The part accessing the registers is called the *requester*. The part containing the registers is called the *provider* as it provides functions via particular functionalities.

The code generated from the FBDL description can be conceptually divided into two parts, the requester part and the provider part. The requester code usually refers to the generated software or firmware implemented in typical programming languages such as: Ada, C, C++, Go, Java, Python, Rust etc. The provider code usually refers to the generated gateware or hardware implemented in hardware description languages or frameworks such as: VHDL, SystemVerilog, SystemC, Bluespec, PipelineC, MyHDL, Chisel etc. However, implementing the provider for example as a firmware, using the C language and a microcontroller, is practically doable and valid.

3.1. Properties

Each data in the FBDL description has associated functionality and each functionality has associated properties. Properties allow configuration of functionalities. Each property must have concrete type. The default value of each property is specified in the round brackets () in the functionality subsections. If the default value is bus width, then it means that the default value equals the actual value of the bus width property. If the default value is uninitialized, then it shall be represented as the uninitialized meta value at the provider side. If the target language for the provider code does not have a concept of uninitialized value, then values such as 0, Null, None, nil etc. shall be used.

Each property either defines or declares functionality feature or behavior. Definitive properties specify the desired behavior of the automatically generated code. They specify elements directly managed by the FBDL. Examples of definitive properties include atomic or width properties. Declarative properties describe behavior of external elements that automatically generated code only interacts with. Declarative properties are required to generate valid logic, and its user responsibility to make sure theirs value match the behavior of external components. Examples of declarative properties include access or in-trigger properties.

```
property_assignment ::= property_identifier = expression
property_assignments ::=
    property_assignment
    { ; property_assignment }
    newline

semicolon_and_property_assignments ::= ; property_assignments

property_identifier ::= atomic | clear | delay | groups | masters |
    range | width | init-value | read-value | reset-value |
    in-trigger | out-trigger
```

3.2. Instantiation

A functionality can be instantiated in a single line or in multiple lines.

```
instantiation ::= single_line_instantiation | multi_line_instantiation
single_line_instantiation ::=
   identifier
   [ array_marker ]
   declared_identifier | qualified_identifier
   [ argument_list ]
   newline | semicolon_and_property_assignments
```

Following code shows examples of single line instantiations:

```
C config
C config; width = 8
M [8]mask; atomic = false; width = 128; init-value = 0
err error_t(48); atomic = false
```

3.3. Addressing

The FBDL specification does not impose byte or word addressing. There is also no property allowing to switch between these two addressing modes. The addressing mode handling is completely left to the particular compiler implementation. If the compiler has monolithic structure (no distinction between the compiler frontend and backend) then it is probably the best decision to use the addressing mode used by the target bus (for example byte addressing for AXI or word addressing for Wishbone). Another option is provoding compiler flag or parameter allowing to specify the addressing mode during the compiler call. However, in case of a compiler frontend implementation it is recommended to use word addressing with word width equal to the bus width. As it is not known whether the compiler backend will use the word or byte addressing, using the word addressing in compiler frontned is usually a simpler approach, as the byte addresses are word addresses multiplied by the number of bytes in the single word.

3.4. Positive logic

The FBDL uses only positive logic. An active level in positive logic is high level (binary 1), and active edge is rising edge (transition from low level to high level, from binary 0 to binary 1). It does not mean that FBDL cannot be used with external components using negative logic. To connect external negative logic components to the generated FBDL positive logic components one shall negate the signals at the interface connection level. Supporting both positive and negative logic would unnecessarily complex the language and would create second way for solving the same problem making the set of possible solutions non-orthogonal.

Rev. 0.0 8 FBDL Specification

4. Lexical elements

FBDL has following types of lexical tokens:

- comment,
- · identifier.
- indent,
- · keyword,
- literal.
- · newline.

4.1. Comments

There is only a single type of comment, a *single-line comment*. A single line comment starts with the '#' character and extends up to the end of the line. A single-line comment can appear on any line of a FBDL file and may contain any character, including glyphs and special characters. The presence or absence of comments has no influence on whether a description is legal or illegal. Their sole purpose is to enlighten the human reader.

4.1.1. Documentation comments

Documentation comments are comments that appear immediately before package scope constant definitions and before functionality instantiations with no intervening newlines. Following code shows examples of documentation comments:

4.2. Identifiers

Identifiers are used as names. An identifier shall start with a letter.

```
uppercase_letter ::= A | B | C | D | E | F | G | H | I | J | K | L | M |
N | O | P | R | S | T | U | V | W | X | Y | Z

lowercase_letter ::= a | b | c | d | e | f | g | h | i | j | k | l | m |
n | o | p | r | s | t | u | v | w | x | y | z

letter ::= uppercase_letter | lowercase_letter
letter_or_digit ::= letter | decimal_digit
identifier ::= letter { underscore | letter_or_digit }
```

Following code contains some valid and invalid identifiers.

```
const C_20 = 20 # Valid
const _C20 = 20 # Invalid
Main bus
    cfg1 config # Valid
    lcfg config # Invalid
```

4.2.1. Declared identifier

Declared identifier is used for any occurrence of an identifier that already denotes some declared item.

```
declared_identifier ::= letter { underscore | letter_or_digit }
```

4.2.2. Qualified identifier

The qualified identifier is used to reference a symbol from foreign package.

```
qualified_identifier ::= declared_identifier.declared_identifier
```

The first declared identifier denotes the package, and the second one denotes the symbol from this package.

4.3. Indent

The indentation has semantics meaning in the FBDL. There is only single indent character, the horizontal tab (U+0009). It is hard to express the indent and dedent using BNF. Ident is the increase of the indentation level and dedent is the decrease of the indentation level. In the following code the indent happens in the lines number 2, 5 and 7 and the dedent happens in the line number 4. What is more 2 dedents happens at the EOF. The number of indents always equals the number of dedents in the syntactically and semantically correct file.

```
1: type cfg_t config
2: atomic = false
3: width = 64
4: Main bus
5: C cfg_t
6: Blk block
7: C cfg_t
8: S status
```

Not only the indent alignment is important, but also its level. In the following code the first type definition is correct, as the indent level for the definition body is increased by one. The second type definition is incorrect, even though the indent within the definition body is aligned, as the indent level is increased by two.

```
# Valid indent
type cfg1_t config
    atomic = false
    width = 8
# Invalid indent, indent increased by two
type cfg2_t config
    atomic = false
    width = 8
```

4.4. Keywords

FBDL has following keywords: atomic, block, bus, clear, const, doc, false, import, init-value, irq, mask, memory, param, proc, range, reset, read-value, reset-value, return, static, stream, true, in-trigger,

out-trigger.

Keywords can be used as identifiers with one exception. Keywords denoting built-in types (functionalities) cannot be used as identifiers for custom types.

4.5. Literals

4.5.1. Bool literals

```
bool_literal ::= false | true
```

4.5.2. Number literals

```
underscore ::= _ zero_digit ::= 0  
    non_zero_decimal_digit ::= 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9  
    decimal_digit ::= zero_digit | non_zero_decimal_digit  
    binary_base ::= 0B | 0b  
    binary_digit ::= 0 | 1  
    octal_base ::= 0O | 0o  
    octal_digit ::= 0 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7  
    hex_base ::= 0X | 0x  
    hex_digit ::= 0 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | A | a | B | b | C | c | D | d  
    | E | e | F | f
```

4.5.3. Integer literals

```
integer_literal ::=
   binary_literal |
   octal_literal |
   decimal_literal |
   hex_literal

binary_literal ::= binary_base binary_digit {[underscore] binary_digit}

octal_literal ::= octal_base octal_digit {[underscore] octal_digit}

decimal_literal ::= non_zero_decimal_digit {[underscore] decimal_digit}

hex_literal ::= hex_base hex_digit {[underscore] hex_digit}
```

4.5.4. Real literals

The real literals shall be represented as described by IEEE Std 754, an IEEE standard for double-precision floating-point numbers.

Real numbers can be specified in either decimal notation (for example, 17.83) or in scientific notation (for example, 13e8, which indicates 13 multiplied by 10 to the eighth power). Real numbers expressed with a decimal point shall have at least one digit on each side of the decimal point.

4.5.5. String literals

A string literal is a sequence of zero or more UTF-8 characters enclosed by double quotes ("").

```
string_literal ::= "{UTF-8 character}"
```

4.5.6. Bit string literals

A bit string literal is a sequence of zero or more digit or meta value characters enclosed by double quotes ("") and preceded by a base specifier. The meta value characters are supported because of hardware description languages, that also have a concept of metalogical values.

```
meta_character ::= - | U | W | X | Z
```

The meta characters have following meaning:

- '-' don't care,
- 'U' uninitialized,
- 'W' weak unknown,
- 'X' unkown,
- 'Z' high-impedance state.

```
binary_or_meta ::= binary_digit | meta_character
octal_or_meta ::= octal_digit | meta_character
hex_or_meta ::= hex_digit | meta_character
```

There three types of bit string literals: binary bit string literal, octal bit string literal and hex bit string literal.

```
bit_string_literal ::=
    binary_bit_string_literal |
    octal_bit_string_literal |
    hex_bit_string_literal

binary_bit_string_base = B | b

binary_bit_string_literal = binary_bit_string_base "{binary_or_meta}"

octal_bit_string_base = O | o

octal_bit_string_literal = octal_bit_string_base "{octal_or_meta}"

hex_bit_string_literal = hex_bit_string_base "{hex_or_meta}"
```

If meta value is present in a bit string literal, then it is expanded to the proper width depending on the bit string base. For example, following equations are true:

```
o"XW" = b"XXXWWW" 
x"U-" = b"UUUU----"
```

4.5.7. Time literals

A time literal is a sequence of integer literal and a time unit.

```
\label{eq:time_unit} \begin{array}{l} \texttt{time\_unit} \; ::= \; ns \, | \, us \, | \, ms \, | \, s \\ \texttt{time\_literal} \; ::= \; \texttt{integer\_literal} \; \, \texttt{time\_unit} \end{array}
```

5. Data types

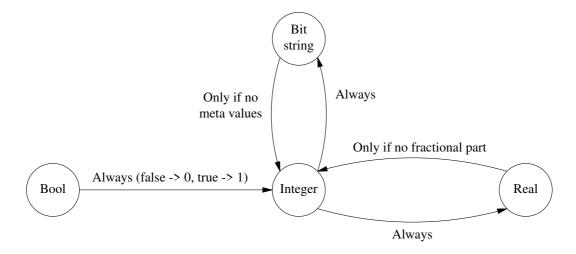
There are 6 data types in FBDL:

- · bit string,
- bool.
- integer,
- real,
- · string,
- time.

Types are implicit and are not declared. The type of the value evaluated from an expression must be checked before any assignment or comparison. If there is a type mismatch that can be resolved with implicit rules, then it shall be resolved. In case of type mismatch that cannot be resolved, an error must be reported by the compiler.

Conversion from integer to real in expressions is implicit. Conversion from real to integer must be explicit, and must be done by calling any function returning integer type, for example <code>ceil()</code>, <code>floor()</code>. Conversion from integer to bool in expressions is implicit. Bool cannot be converted to any type.

Below picture presents a graph of possible implicit conversions between different data types.



5.1. Bit string

The value of bit string type is used for all *-value properties. It might be created explicitly using the bit string literal or it might be converted implicitly from the value of integer type. The only way to create bit string value containing meta values is to explicitly use the bit string literal.

5.2. Bool

The value of bool type can be created explicitly using true or false literals. The value of bool type shall be implicitly converted to the value of integer type in places where the value of integer type is required. The boolean false value shall be converted to integer value 0. The boolean true value shall be converted to integer value 1. In the following example, the value of I1 evaluates to 1, and the value of I2 evaluates to 2.

const B0 = false
const B1 = true

```
const I1 = B0 + B1
const I2 = B1 + B1
```

The bool - integer conversion is asymmetric. Implicit conversion of a value of the integer type to a value of the bool type is forbidden. This is because values of the bool type are often used to count the number of elements or to arbitrarily enable/disable an element generation. However, a value of the integer type appearing in a place where a value of the bool type is required is usually a sign of a mistake. To convert a value of the integer type to a value of the bool type the built-in **bool** () function must be called.

5.3. Integer

The integer data type is always signed integer and must be at least 64 bits wide.

5.4. Real

The real data type is 64 bits IEEE 754 double precision floating-point type.

5.5. String

The string data type can only be created explicitly using a string literal. The string data type is only used for setting values of some properties, for example groups.

5.6. Time

The time data type is only used for assigning value to the properties expressed in time. The value of time type can be created explicitly using the time literal. Values of time type can be added regardless of their time units. Values of the time type can also be multiplied by values of the integer type. All of below property assignments are valid.

```
delay = 1 s + 1 ms + 1 us + 1 ns

delay = 5 * 60 s # Sleep for 5 minutes.

delay = 10 ms * 4 + 7 * 8 us
```

6. Expressions

An expression is a formula that defines the computation of a value by applying operators and functions to operands.

```
expression ::=
   bool_literal |
    integer_literal
    real_literal
    string_literal |
   bit_string_literal |
    time_literal
    declared_identifier
    qualified_identifier
    unary_operation
   binary_operation
    function_call |
    subscript
    parenthesized_expression |
    expression_list
parenthesized_expression ::= ( expression )
expression_list ::= [ [ expression {, expression} ] ]
```

6.1. Operators

```
binary_operation ::= expression binary_operator expression
binary_operator ::=
    binary_arithmetic_operator |
    binary_logical_operator |
    binary_shift_operator

binary_arithmetic_operator ::= + | - | * | / | % | **

binary_logical_operator ::= && | ||

binary_shift_operator ::= && | ||
```

FBDL binary arithmetic operators

| Token | Name | Name | | | | |
|-------|----------------|------|--|--|--|--|
| + | Addition | bar | | | | |
| _ | Subtraction | bar | | | | |
| * | Multiplication | bar | | | | |
| / | Division | bar | | | | |
| 용 | Remainder | bar | | | | |
| ** | Exponentiation | bar | | | | |

FBDL binary logical operators

| Token | Name | Name |
|-------|------------------------------|------|
| & & | Short-circuiting logical AND | bar |
| | Short-circuiting logical OR | bar |

FBDL binary shift operators

| Token | Name | Name | | | | |
|-------|-------------|------|--|--|--|--|
| << | Left shift | bar | | | | |
| >> | Right shift | bar | | | | |

6.2. Functions

The FBDL does not allow defining custom functions for value computations. However, FBDL has following built-in functions:

abs(x integer|real) integer|real

Abs returns the absolute value of x.

bool(x integer) bool

Bool returns a value of the bool type converted from a value x of the integer type. If x equals 0, then the false is returned. In all other cases the true is returned.

ceil(x float) integer

Ceil returns the least integer value greater than or equal to x.

floor(x float) integer

Floor returns the greatest integer value less than or equal to x.

log2(x float) integer | float

Log2 returns the binary logarithm of x.

log10(x float) integer | float

Log10 returns the decimal logarithm of x.

u2(x, w integer) integer

U2 returns two's complement representation of x as an integer assuming width w. For example u2(-1, 8) returns 255.

7. Functionalities

Functionalities are the core part of the FBDL. They define the capabilities of the provider. Each functionality is distinct and in an unambiguous way defines the provider behavior and the interface that must be generated for the requester. There are 12 functionalities:

- 1) block,
- 2) bus,
- 3) config,
- 4) irq,
- 5) mask,
- 6) memory,
- 7) param,
- 8) proc,
- 9) return,
- 10) static,
- 11) status,
- 12) stream.

7.1. Block

The block functionality is used to logically group or to encapsulate functionalities. The block is usually used to separate functionalities related with particular peripherals such as UART, I2C transceivers, timers, ADCs, DACs etc. The block might also be used to limit the access for particular provider to only a subset of functionalities.

The block functionality has following properties:

```
masters integer (1)
```

The masters property defines the number of block masters.

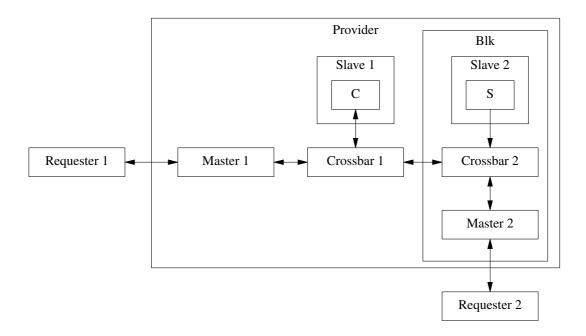
```
reset string (None)
```

The reset property defines the block reset type. By default the block has no reset. Valid values of the reset property are "Sync" for synchronous reset and "Async" for asynchronous reset.

The following example presents how to limit the scope of access for particular requester.

```
Main bus
C config
Blk block
masters = 2
S status
```

The logical connection of the system components may look as follows:



The requester number 1 can access both config C and status S. However, the requester number 2 can access only the status S.

7.2. Bus

The bus functionality represents the bus structure. Every valid description must have at least one bus instantiated, as the the bus named Main is the entry point for the description used for the code generation.

The bus functionality has following properties:

masters integer (1)

The masters property defines the number of bus masters.

reset string (None)

The reset property defines the bus reset type. By default the bus has no reset. Valid values of the reset property are "Sync" for synchronous reset and "Async" for asynchronous reset.

width integer (32)

The width property defines the bus data width.

The bus address width is not explicitly set, as it implied from the address space size needed to pack all functionalities included in the Main bus description.

7.3. Config

The config functionality represents a configuration data. A configuration data is a data that is automatically read by the provider from its registers. As the config is automatically read by the provider, there is no need for additional signal, associated with the config, indicating config write by the requester. By default, a config can be written and read by the requester.

The config functionality has following properties:

atomic bool (true)

The atomic property defines whether an access to the config must be atomic. If atomic is true, then the provider must guarantee that any change of the config value, triggered by the requester write, is seen as an atomic change by the other modules of the provider. This is especially important when the

config spans more than single register, as in case of single register write the change is always atomic.

```
groups string | [string] (None)
```

The groups property defines the groups the config belongs to. In case of a single group, the value can be a string. In case of multiple groups the value shall be a list of strings. Groups are thoroughly described in the grouping section.

init-value bit string | integer (uninitialized)
The init-value property defines the initial value of the config.

```
range integer | [integer] (None)
```

The range property defines the range of valid values. If the range value is of integer type then, the valid range is from 0 to the value, including the value. If the range value is an integer list, then it must have even number of elements. Odd elements specify lower bounds of the subranges and even elements specify upper bounds of the subranges. For instance, range = [1, 3, 7, 8] means that the valid values are: 1, 2, 3, 7 and 8. Range bound values shall not be negative. This is because the FBDL makes no assumptions on the negative values encoding. To accomplish negative range checks functions such as u2 must be explicitly called. For example, following assignment limits the possible range from -16 to -8: range = [u2(-8, 8), u2(-16, 8)]. The range property shall not be explicitly set if the width property is already set. If the range property is not set, then the actual range implies from the width property. The code generated for the provider is not required to check or report if the value provided for the config write is within the valid range. The recommended way is to implement compiler parameter allowing enabling/disabling range check generation.

```
read-value bit string | integer (None)
```

The read-value property defines the value returned by the provider on the config read. If the read-value is not set, then the provider must return the actual value of the config.

```
reset-value bit string | integer (None)
```

The reset-value property definess the value of the config after the reset. If the reset-value is set, but a bus or block containing the config is not resettable (reset = None), then the compiler shall report an error.

```
width integer (bus width)
```

The width property defines the bit width of the config. The width property shall not be explicitly set if the range property is already set.

The code generated for the requester must provide methods for writing and reading the config.

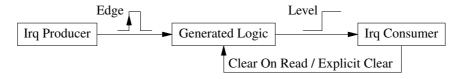
7.4. Irq

The irq functionality represents an interrupt. The irq functionality allows for automatic connection of following interrupt producers and consumers:

1) edge producer and edge sensitive consumer,



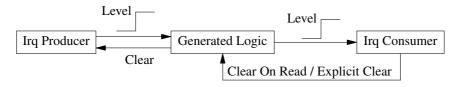
2) edge producer and level sensitive consumer,



3) level producer and edge sensitive consumer,



4) level producer and level sensitive consumer.



The irq functionality has following properties:

clear string ("Explicit")

The clear property defines how particular interrupt flag is cleared. The clear property is valid only in case of level triggered interrupt consumer. If clear property is set for edge triggered interrupt consumer a compiler shall shall report an error. Valid values are "Explicit" and "On Read". The "Explicit" clear requires compiler to generate a method that must be explicitly called to clear the interrupt flag. The "On Read" clear requires the provider to clear the interrupt flag on each interrupt flag read.

```
groups string | [string] (None)
```

The groups property defines the group for irq. Each irq must belong at most to one group. Interrupt groups are described in irq grouping subsection.

```
in-trigger string ("Level")
```

The in-trigger property declares the interrupt producer type of trigger. Valid values are "Edge" and "Level". It is up to the user to make sure declared trigger is coherent with the actual producer behavior. A mismatch may lead to incorrect behavior.

```
out-trigger string ("Level")
```

The out-trigger property declares the interrupt consumer type of trigger. Valid values are "Edge" and "Level". It is up to the user to make sure declared trigger is coherent with the actual consumer requirement. A mismatch may lead to incorrect behavior.

7.5. Mask

The mask functionality represents a bit mask. The mask is a data that is automatically read by the provider from its registers. By default, a mask can be written and read by the requester. The mask is very similar to the config. The difference is that the config is value oriented, whereas the mask is bit oriented. From the provider's perspective the mask and the config are the same. From the requester's perspective the code generated for interacting with the mask and the config is different.

The mask functionality has following properties:

atomic bool (true)

The atomic property defines whether an access to the mask must be atomic. If atomic is true, then the provider must guarantee that any change of the mask value, triggered by the requester write, is seen as an atomic change by the other modules of the provider. This is especially important when the mask spans more than single register, as in case of single register write the change is always atomic.

```
init-value bit string | integer (uninitialized)
The init-value property defines the initial value of the mask.
```

```
read-value bit string | integer (None)
```

The read-value property defines the value returned by the provider on the mask read. If the read-value is not set, then the provider must return the actual value of the mask.

```
reset-value bit string | integer (None)
```

The reset-value property defines the value of the mask after the reset. If the reset-value is set, but a bus or block containing the mask is not resettable (reset = None), then the compiler shall report an error.

```
width integer (bus width)
```

The width property defines the bit width of the mask.

The code generated for the requester must provide methods for setting and clearing particular bits of the mask.

7.6. Memory

The memory functionality is used to directly connect and map an external memory to the generated bus address space. A memory can also be connected to the bus using the proc or stream functionality. However, using the memory functionality usually leads to greater throughput, but increases the size of the generated address space.

The memory functionality has following properties:

```
access string ("Read Write")
```

The access property declares the valid access permissions to the memory for the requester. Valid values of the access property are: "Read Write", "Read Only", "Write Only".

```
byte-write-enable bool (false)
```

The byte-write-enable property declares byte-enable writes, that update the memory on contents on a byte-to-byte basis. If the byte-write-enable property is explicitly set by a user, and a memory access is "Read Only", then a compiler shall report an error.

```
read-latency integer (obligatory if access supports read)
```

The read-latency property declares the read latency in the number of clock cycles. It is required, if a memory supports read access, to correctly implement read logic.

```
size integer (obligatory)
```

The size property declares the memory size. The size is in the number of memory words with width equal to the memory width property value.

```
width integer (bus width)
```

The width property declares the memory data width.

7.7. Param

The param functionality is an inner functionality of the proc and stream functionalities. It represents a data fed to a procedure or streamed by a downstream.

The param functionality has following properties:

```
groups string | [string] (None)
```

The groups property defines the groups the param belongs to. In case of a single group, the value can be a string. In case of multiple groups the value shall be a list of strings. Groups are thoroughly described in the grouping section.

```
width integer (bus width)
```

The width property defines the bit width of the param.

```
range integer | [integer] (None)
```

The range property defines the range of valid values. The range property on param behaves exactly

the same as the range property on config.

Following example presents the definition of a downstream with three parameters.

```
Sum_Reduce stream
   type param_t param; width = 16
   a param_t
   b param_t
   c param_t
```

7.8. Proc

The proc functionality represents a procedure called by the requester and carried out by the provider. The proc functionality might contain param and return functionalities. Params are procedure parameters and returns represent data returned from the procedure.

The proc has associated signals at the provider side, the call signal and the exit signal. The call signal must be driven active for one clock cycle after all registers storing the parameters have been written. The exit signal must be driven active for one clock cycle after all registers storing the returns have been read. An empty proc (proc without params and returns) by default has only the call signal. However, if an empty proc has the delay property set, then it has both, the call signal and the exit signal. A proc having only parameters has by default only the call signal. However, if a proc having only parameters has the delay property set, then it also has the exit signal. A proc having only returns has by default only the exit signal. However, if a proc having only returns has the delay property set, then it also has the call signal. Existence or absence of call and exit signals is summarized in below table.

Proc call and exit signals occurrence.

| Delay Set | Empty | Only Params | Only Returns | Params & Returns |
|-----------|-------------|-------------|--------------|------------------|
| No | call | call | exit | call & exit |
| Yes | call & exit | call & exit | call & exit | call & exit |

The proc functionality has following properties:

```
delay time (None)
```

The delay property defines the time delay between parameters write end and returns read start.

The code generated for the requester must provide method for calling the procedure.

7.9. Return

The return functionality is an inner functionality of the proc and stream functionalities. It represents a data returned by a procedure or streamed by an upstream.

The return functionality has following properties:

```
groups string | [string] (None)
```

The groups property defines the groups the return belongs to. In case of a single group, the value can be a string. In case of multiple groups the value shall be a list of strings. Groups are thoroughly described in the grouping section.

```
width integer (bus width)
```

The width property defines the bit width of the return.

Following example presents the definition of a procedure returning 4 element byte array, and a single bit flag indicating whether the data is valid.

```
Read_Data proc
    data [4]return; width = 8
    valid return; width = 1
```

7.10. Static

The static functionality represents a data, placed at the provider side, that shall never change.

The static functionality has following properties:

```
groups string | [string] (None)
```

The groups property defines the groups the static belongs to. In case of a single group, the value can be a string. In case of multiple groups the value shall be a list of strings. Groups are thoroughly described in the grouping section.

```
init-value bit string | integer (obligatory)
```

The init-value property defines the initial value of the static.

```
read-value bit string | integer (None)
```

The read-value property defines the value that must be returned by the provider on the static read after the first read. If the read-value property is set, then the actual value of the static can be read only once.

```
reset-value bit string | integer (None)
```

The reset-value property defines the value of the static after the reset. If the reset-value is set, but a bus or block containing the static is not resettable (reset = None), then the compiler shall report an error. If both read-value and reset-value properties are set, then the static can be read one more time after the reset.

```
width integer (bus width)
```

The width property defines the bit width of the static.

The static functionality may be used for example for versioning, bus id, bus generation timestamp or for storing secrets, that shall be read only once. Example:

```
Secret static
  width = C8
  init-value = C113
  read-value = 0xFF
```

7.11. Status

The status represents a data that is produced by the provider and is only read by the requester.

The status functionality has following properties:

```
atomic bool (true)
```

The atomic property defines whether an access to the status must be atomic. If atomic is true, then the provider must guarantee that any change of the status value is seen as an atomic change by the requester. This is especially important when the status spans more than single register, as in case of single register read the change is always atomic.

```
groups string | [string] (None)
```

The groups property defines the groups the status belongs to. In case of a single group, the value can be a string. In case of multiple groups the value shall be a list of strings. Groups are thoroughly described in the grouping section.

```
read-value bit string | integer (None)
```

The read-value property defines the value that must be returned by the provider on the status read after the first read. If the read-value property is set, then the actual value of the status can be read only once.

```
width integer (bus width)
```

The width property defines the bit width of the status.

The code generated for the requester must provide method for reading the status.

7.12. Stream

The stream functionality represents a stream of data to a provider (downstream), or a stream of data from a provider (upstream). An empty stream (stream without any param or return) is always a downstream. It is useful for triggering cyclic action with constant time interval. A downstream must not have any return. An upstream shall not have any param, and must have at least one return.

The stream functionality is very similar to the proc functionality, but they are not the same. There are two main differences. The first one is that the stream must not contain both param and return. The second one is that the code for the stream, generated for the requester, shall take into account the fact that an access to the stream is multiple and an access to the proc is single. For example lets consider the following bus description:

```
Main bus
P proc
p param
S stream
p param
```

The code generated for the requester, implemented in the C language, might include following function prototypes:

```
int Main_P(const uint32_t p);
int Main_S(const uint32_t * p, size_t count);
```

The stream functionality has following properties.

```
delay time (None)
```

The delay property defines the time delay between writing/reading consecutive datasets for a down-stream/upstream.

8. Parametrization

The FBDL provides following three ways for description parametrization:

- constants,
- type definitions,
- · types extending.

8.1. Constant

The constant represents a constant value. The value might be used in expression evaluations. The following code presents bus with three functionalities, all having the same array dimensions and width.

```
Main width
   const ELEMENT_COUNT = 4
   const WIDTH = 8
   C [ELEMENT_COUNT] config; width = WIDTH
   M [ELEMENT_COUNT] mask; width = WIDTH
   S [ELEMENT_COUNT] status; width = WIDTH
```

Constants must be included in the generated code, both for the provider and for the requester. This allows for having a single source of the constant value.

A constant can be defined in a single line in the single line constant definition or as a part of the multi constant definition.

```
single\_constant\_definition ::= const identifier = expression newline
```

Examples of single constant definition:

```
const WIDTH = 16
const FOO = 8 * BAR
const LIST = [1, 2, 3, 4, 5]

multi_constant_definition ::=
   const newline
   indent
   identifier = expression newline
   { identifier = expression newline }
   dedent
```

Examples of multi constant definition:

```
const
    WIDTH = 16
    FOO = 8 * BAR
    LIST = [1, 2, 3, 4, 5]
const
    ONE = 1
    TWO = ONE + 1
    THREE = TWO + 1
```

8.2. Type definition

8.3. Type extending

The the extending allows extending any custom defined type, either by instantiation or by defining new type. This is especially, but not only, useful when there are similar blocks with only slightly different set of

functionalities.

Example:

```
type blk_common_t block
   C1 config
   M1 mask
   S1 status

Main bus
   Blk_C blk_common_t
        C2 config
   Blk_M blk_common_t
        M2 mask

Blk_S blk_common_t
   S2 status
```

This description is equivalent to the following description:

```
type blk_common_t block
    C1 config
    M1 mask
    S1 status
type blk_C_t blk_common_t
    C2 config
type blk_M_t blk_common_t
    M2 mask
type blk_S_t blk_common_t
    S2 status
Main bus
    Blk_C blk_C_t
    Blk_M blk_M_t
    Blk_S blk_S_t
```

The type nesting has no depth limit. However, no property already set in one of the ancestor types can be overwritten. Also no symbol identifier defined in one of the ancestor types can be redefined.

9. Scope and visibility

9.1. Import and package system

The FBDL has a concept of packages and allows importing packages into the file scope using the import statements. A package consists of files with .fbd extension placed in the same directory. A package must have at least one file and shall not be placed in more than single directory. A package is uniquely identified by its path. The name of a package is equivalent to the last part of its path. That is, it is the same as the name of the directory containing package files. However, if the package directory name starts with the "fbd-" prefix, then the prefix is not included in the package name. For example, two packages with following paths foo/bar/uart and baz/zaz/fbd-uart have exactly the same name uart.

A package can be imported in a single line using the single line import statement or as a part of the multi import statement.

```
single_import_statement ::= import [ identifier ] string_literal
```

Examples of single import statement:

```
import "uart"
import spi "custom_spi"

multi_import_statement ::=
   import newline
   indent
   [ identifier ] string_literal
   { [ identifier ] string_literal }
   dedent
```

Example of multi import statement:

```
import
    "uart"
    spi "custom_spi"
```

The string literal is the path of the package. The path might not be complete, but shall be unambiguous. For example, if two paths are visible by the import statement ("foo/bar/uart" and "baz/zaz/uart"), and both ends with "uart", then "uart" path is ambiguous, but "bar/uart" and "zaz/uart" are not.

The optional identifier is an identifier that shall denote the imported package within the importing file. If the identifier is omitted, then the implicit identifier for the package is the last part of its path..

9.1.1. Package discovery

Each FBDL compiler is required to carry out the package auto discovery procedure. The procedure must obey following rules.

- 1) If the compiler working directory contains directory named "fbd", then each of the "fbd" subdirectory is considered a package directory if it contains at least one file with the ".fbd" extension. The name of the package is the same as the name of the subdirectory, unless it has "fbd-" prefix. In a such case, the prefix shall be removed from the package name. If the name of the subdirectory matches exactly the "fbd-" pattern, then a compiler must report an error on invalid package name.
- 2) The compiler must recursively check all subdirectories of its working path (except the "fbd" directory in the working directory that is described in the rule number 1). Each subdirectory with name starting with the "fbd-" prefix is considered a package directory if it contains at least one file with the ".fbd" extension. If the name of the subdirectory matches exactly the "fbd-" pattern, then a compiler must report an error on invalid package name.

3) The compiler must recursively check all subdirectories of the paths defined in the FBDPATH environment variable. The variable may contain multiple paths separated by the ':' (colon) character. Each subdirectory with name starting with the "fbd-" prefix is considered a package directory if it contains at least one file with the ".fbd" extension. If the name of the subdirectory matches exactly the "fbd-" pattern, then a compiler must report an error on invalid package name.

Compilers are also free to have their own parameters allowing to provide extra paths to look for packages. Below snippet presents a tree of example working directory.

```
-- externals
   '-- bar
       -- fbd-bar
          '-- bar.fbd
       '-- gw
           '-- bar.vhd
-- fbd
   -- fbd-pkg1
      '-- a.fbd
    -- not-a-pkg
       '-- c.txt
   '-- pkg2
       '-- b.fbd
-- gw
   -- modules
       -- a.vhd
       '-- b.vhd
   '-- top.vhd
   SW
   '-- foo.py
```

In this case each FBDL compiler must automatically discover following three packages:

```
• bar-path "./externals/bar/fbd-bar",
```

- pkg1-path "./fbd/fbd-pkg1",
- pkg2 path "./fbd/pkg2".

9.2. Scope rules

The following elements define a new scope in the FBDL:

- · package,
- · type definition,
- functionality instantiation.

Following example presents all scopes.

```
const WIDTH = 16
const WIDTHx2 = WIDTH * 2
Main bus
    width = WIDTH
    const C20 = 20
    Blk block
        const C30 = 30
        type cfg_t(WIDTH = WIDTH) config
        atomic = false
```

width = WIDTH
Cfg16 cfg_t
Cfg20 cfg_t(C20)
Cfg30 cfg_t(C30)

The WIDTH constant has package scope, and it is visible at the package level, in the Main bus instantiaiton and in the Blk block instantiaiton. It would also be visible in the cfg_t type definition. However, the cfg_t type has the parameter with the same name WIDTH. As a result, only the WIDTH parameter is visible within the type definition. The WIDTH parameter has default value that equals 16. This is because at this point the name WIDTH denotes the package level WIDTH constant. Type parameters are visible inside the type definition, but not in the type parameter list. The Cfg16 is thus a non-atomic config of width 16, the Cfg20 is a non-atomic config of width 20 and the Cfg30 is a non-atomic config of width 30.

10. Grouping

Grouping is a feature of the FBDL used to inform a compiler that particular functionalities might be accessed together and theirs register location must meet additional constraints. This is achieved using the groups property. The following functionalities can be grouped: config, mask, static, status. A functionality may belong to multiple groups and groups must be registerified in the order they appear. The following snippet presents three grouped configs.

```
Main bus
    type cfg_t; width = 8; groups = ["group"]
    A cfg_t
    B cfg_t
    C cfg_t
```

Any FBDL compliant compiler must place all three configs (A, B, C) in the same register.

10.1. Single register groups

The single register groups are groups of elements that fit single register. The overall width of all functionalities is not greater than the single register width. In such case all functionalities must be placed in the same register. The specification does not impose any specific order of the functionalities within the register, and it is left to the compiler implementation. The following listing presents an example bus description with three single register groups.

```
Main bus
   C0 config; width = 16; groups = ["read_write_group"]
   M0 mask; width = 15; groups = ["read_write_group"]

C1 config; width = 16; groups = ["mixed_group"]
   S11 static; width = 8; groups = ["mixed_group"]
   S12 status; width = 8; groups = ["mixed_group"]

S21 status; width = 4; groups = ["read_only_group"]
   S22 status; width = 7; groups = ["read_only_group"]
```

All functionalities of the read_write_group can be both read and written. The code generated by a compiler for the requester must provide methods for reading/writing the whole group as well as for read/writing particular functionalities of the group.

The mixed_group contains functionality that can be read and written (C1), as well as functionalities that can be only read (S11, S12). The code generated by a compiler for the requester must provide method for reading all readable functionalities and method for writing all writable functionalities. It is valid even if the group has single readable or single writable functionality. The compiler must also generate methods for reading/writing particular functionalities of the group. In case of mixed_group this will results with two methods doing exactly the same (writing the C1 config). However, it is up to the user to decide which of the methods should be used. If it makes sense, it is perfectly valid to use both of them in different contexts.

All functionalities of the read_only_group are read only. In this case the compiler must generate method only for reading the group. It must also generate methods for reading particular functionalities.

10.2. Multi register groups

The multi register groups are groups with functionalities that overall width is greater than the width of a single register. The specification does not impose any order of functionalities or registers in such case, and it is left to the compiler implementation. However, the compiler must not split functionalities narrower or equal to the register width into multiple registers. This implies that any functionality with width not greater than the register width is always read or written using single read or write access. The following snippet

presents bus description with one multi register group.

```
Main bus
   C config; width = 10; groups = ["group"]
   M mask; width = 10; groups = ["group"]
   SC static; width = 10; groups = ["group"]
   SS status; width = 10; groups = ["group"]
```

The compiler must generate code for the requester allowing to write all writable functionalities of the group as well as the code allowing reading all readable functionalities of the groups. It must also generate methods for reading or writing particular functionalities.

There are multiple ways to place functionalities from the above example into registers. The following snippet presents one possible way.

However, the above arrangement might not be optimal if there is a need to read both SC and SS at the same time as it would require reading two registers not a single one. Below listing presents how to group elements within the group using subgroups.

```
Main bus
C config; width = 10; groups = ["csubgroup", "group"]
M mask; width = 10; groups = ["csubgroup", "group"]
SC static; width = 10; groups = ["ssubgroup", "group"]
SS status; width = 10; groups = ["ssubgroup", "group"]
```

The set of possible functionalities placements within the registers is now limited as the groups are registerified in the order they appear. Below snippet shows possible arrangement.

This time reading both SC and SS requires reading only one register, while reading the whole group still requires reading two registers.

10.3. Array groups

The array groups are groups with all functionalities being arrays. The groups do not necessarily have the same number of elements.

The code generated by a compiler, for an array group, for the requester must provide a method for writing arbitrary number of elements for all writable functionalities starting from an arbitrary index. It must also provide a method for reading arbitrary number of elements for all readable functionalities starting from an arbitrary index.

The specification does not define what happens on access to the elements with index greater than the length of some arrays. This is because some of the target languages support special data types indicating that the value is absent (for example None - Python, Option - Rust), while others use for this purpose completely valid values (0 - C, Go).

10.3.1. Single register array groups

The single register array groups are array groups with overall single elements width not greater than the width of a single register. Below listing presents an example bus description with a single register array

group.

```
Main bus
    type cfg_t; width = 8; groups = ["group"]
    A [1]cfg_t
    B [2]cfg_t
    C [3]cfg_t
    D [3]status; width = 8; groups = ["group"]
```

In case of single register array group all elements with corresponding indices must be placed in the same register. Below snippet presents possible arrangement of elements for the example bus.

```
Nth register

| D[0] | C[0] | B[0] | A[0] | |

Nth + 1 register

| D[1] | C[1] | B[1] | 8 bits gap | |

Nth + 2 register

| D[2] | C[2] | 16 bits gap | |
```

10.4. Mixed groups

The mixed groups are groups with both single functionalities and array functionalities. The below listing presents an example bus description with a mixed group.

10.5. Virtual groups

Virtual groups are groups that name starts with the underscore ('_'), for example "_group". Virtual groups are used to group functionalities without generating the group interface for the requester code.

10.6. Registerification order

Groups must be registerified in the order they appear in the groups lists. A compiler must issue an error if the order of any groups is not the same in all groups lists. If the order is not unequivocal, then the compiler is free to choose the order. However, as the registerification results have to be deterministic and reproducible for particular compiler, the order criteria has to be fixed in case of ambiguous order of groups. The most natural criterias are probably:

- Alphabetical order. Groups with ambiguous order are sorted alphabetically before registerification.
- Occurrence order. Groups with ambiguous order are registerified in parsing order. For exmaple, if the order of groups "b" and "a" is ambiguous, and group "b" first occurrence is in line number 80, and group "a" first occurrence is in line number 120, then group "b" is registerified as the first one.

The order of groups might be used to prioritize the groups, so that an access to some groups is more efficient than to the other groups. Below listing serves as an example of groups order used for optimizing access to particular group.

```
Main bus
C1 config; width = 20; groups = ["a"]
C2 config; width = 12; groups = ["a", "b"]
```

```
C3 config; width = 20; groups = ["b"]
```

As group "a" has higher priority than group "b" (its index is lower in the groups list for functionality C2), access to the group "a" will be more efficient, as functionalities C1 and C2 will be placed in the same register. Possible arrangement is presented in the below snippet.

If the order of the groups in the groups list for functionality C2 was reverse, then the access to the group "b" would be more efficient. Possible arrangement of functionalities in such case could look as follows.

Below listing presents a description of groups with ambiguous order.

```
Main bus

C1 config; width = 10; groups = ["a", "b", "c"]

C2 config; width = 10; groups = ["a", "d", "c"]

C3 config; width = 10; groups = ["a", "b"]

C4 config; width = 10; groups = ["a", "d"]
```

The order of groups "b" and "d" is not unequivocal. However, whether group "b" is registerified before the group "d" is not even important in this case, as the optimal structure is determined by three facts:

- both groups "b" and "d" are subgroups of group "a",
- the intersection of groups "b" and "d" is an empty group,
- both groups "b" and "d" have higher priority than group "c".

Possible arrangement of the functionalities is presented in the below snippet.

10.7. Irq groups

The irq groups are used for interrupt grouping. Grouped irqs have common interrupt consumer signal. Each irq must belong at most to one group and each irq group must have at least two irqs. Irqs belonging to the same group might have different values of the producer trigger, but all of them must have the same value for the consumer trigger. In case of level triggered interrupt consumer the information on the interrupt source can be read from the interrupt group flag register.

Below snippet shows an example of irg group for level sensitive interrupt consumer.

```
Main bus
    type irq_t irq; groups = "IRQ"
    IRQ0 irq_t
    IRQ1 irq_t; clear = "On Read"
    IRQ2 irq_t; in-trigger = "Edge"
    IRQ3 irq_t; in-trigger = "Edge"; clear = "On Read"
```

Below picture presents possible logical block diagram of the irq group with level trigger for the interrupt consumer and enable register. The "Clear On Read" signal is driven on every Flag Register read. The "Explicit Clear" signal must be driven when requester calls a method for clearing given interrupt flags. Probably the easiest form of the "Explicit Clear" implementation is clear on Flag Register write, where the clear bit-mask is the value of the data bus. The Flag Register is to some extent a virtual register, as it has an address, but it does not have any storage elements. The flag is stored in the interrupt producer in case of a level triggered producer, or in the Edge Detector in case of an edge triggered producer.

